पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय

PONDICHERRY UNIVERSITY

हिंदी विभाग/DEPARTMENT OF HINDI

आमंत्रण / INVITATION

'पारिस्थितिक विमर्श : भारतीय दर्शन, संस्कृति एवं साहित्य का परिप्रेक्ष्य'

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

Two Day National Seminar on

'Ecocriticism: Perspective of Indian Philosophy, Culture and Literature'

20 – 21 मार्च /March, 2019

स्थान/Venue :

संगोष्ठी कक्ष -1, मानविकी विद्यापीठ,

रजत जयंती परिसर, पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय, पुदुच्चेरी

Seminar Hall –I, School of Humanities

Silver Jubilee Campus, Pondicherry University, Puducherry

संगोष्ठी और विषय

भारतीय वैदिक वाङ्मय, साहित्य और संस्कृति पर्यावरणीय अनुकूल विचार-मूल्यों से ओत-प्रोत हैं। कुछेक संदर्भों को छोड़कर भारतीय धर्म-दर्शन व अन्य धर्मों के लगभग कई दार्शनिक विश्वास एवं सांस्कृतिक परंपराएँ पर्यावरण की मित्र रही हैं। साहित्य समूचे जीवन, समाज, विचारधाराओं, संघर्षों, संवेदनाओं आदि का दर्पण होता है और यह तार्किक रूप से अपने में समाहित विरोधाभासों का सामना भी करता है। ऐसे में वर्तमान दशक में उभरते पारिस्थितिकी विमर्श के परिप्रेक्ष्य में भारतीय साहित्य का मूल्यांकन महत्वपूर्ण कार्य बन जाता है।

भारतीय साहित्य में पर्यावरण की चेतना आरंभ से रही है, मगर उसके रूप अलग रहे हैं। भूमंडलीकरण के बीच वैश्विक पर्यावरणीय संकट को देखते हुए साहित्य में भी पर्यावरण संरक्षण की चेतना इस रूप में विकसित हुई है कि उसने साहित्य में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में 'पारिस्थितिक विमर्श' के रूप में एक नये विमर्शको जन्म दिया है। पारिस्थितिक विमर्श में आलोचकों का प्रयास है कि एक ऐसी साहित्यिक दृष्टि विकसित की जाए जो जमीनी स्तर पर लोगों में जागरूकता और पर्यावरणीय मित्रता की भावना को विकसित कर सके। साहित्यिक आलोचना के क्षेत्र में 'पारिस्थितिक विमर्श' पिछले दो दशकों के दौरान अंतःविषयी ज्ञानशाखा के रूप में चर्चित हुआ है। वैश्विक पर्यावरणीय संकट को देखते हुए प्राकृतिक दृष्टि से दार्शनिक विचारों, सांस्कृतिक प्रथाओं और साहित्यिक ग्रंथों का मूल्यांकन पर्यावरणीय जागरूकता की दिशा में एक सुसंगत प्रयास माना जाएगा। इस प्रयास में जिन मूल्यों की पहचान व प्रतिष्ठा होगी वह लोगों द्वारा स्वच्छ हरित पर्यावरण के निर्माण में सहायक होगा।पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के साथ दार्शनिक-सामाजिक-सांस्कृतिक य साहित्यक अध्ययन पर्यावरणीय संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। इस प्रकार हम पर्यावरणीय संकट से उबरने में एक कदम आगे होगें जो पर्यावरण एवं प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण जीवन जीने में सहायक सिद्द हो सकते हैं।

'पारिस्थितिक विमर्श भारतीय दर्शन, संस्कृति एवं साहित्य का परिप्रेक्ष्य' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी भारतीय साहित्य के प्राकृतिक पक्षों के अध्ययन पर विचार विमर्श और मौलिक प्रस्तुति की अद्वितीय मंच होगा जिससे अनुसंधान, ज्ञान व विचारों में प्रकृति के प्रति नैतिक जिम्मेदारी की भावना को बल मिलेगा।

संगोष्ठी में विचार-मंथन हेतु उप-विषय

- भारतीय दर्शन में परिस्थितिक विमर्श।
- भारतीय साहित्य में पारिस्थितिक विमर्श।
- विभिन्न धर्मों के दार्शनिक विश्वासः प्राकृतिक नौतिकता का संदर्भ।
- भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं और साहित्य की पारिस्थितिक आलोचना और पारिस्थितिक नीतिशास्त्र।
- साहित्य और पर्यावरणीय संपोषण।
- साहित्य और प्रकृति का सामंजस्यपूर्ण संबध।
- पर्यावरणीय संकट की चुनौतियों को सामना करने में साहित्य द्वारा जगायी गई चेतना।

About the Seminar and its Theme

Indian Scriptures, Culture and Literature are filled with the ideology of pro-environment ethics. Indian Philosophy, Philosophy of various other faiths, Cultural traditions of Indian Society are environmental friendly in many aspects except few contradictions. Literature is the mirror of all the life, society, ideologies, struggles, concerns etc. It counters all contradictions with logic and vigor. Analysis of Indian Literature with Eco-critical perspective is emerging in the present decade.

Amidst various discourses emerged with the phenomenon of globalization one of the discourse emerged about awareness for conservation of environment in the literature as 'Ecocriticism' to address the global environmental crisis. It is an effort of the critics of the literature to analyze the dynamics of the literature with an environmentalist eye and envisioned towards creation of awareness and attention at the level of the grassroots. 'Ecocriticism' developed as a neo-criticism of literature during the last two decades as interdisciplinary faculty with Eco-critical approach of the literature. Ecocriticism shall be considered as coherent attempt of evaluating philosophical thoughts, cultural practices, and literature texts with emerging ideas to address the concerns in the light of global environmental crisis. These attempts shall contribute for the environmental awareness and pro-eco action by the people. Science & Technology, Philosophical, Socio-cultural and literary studies can contribute to develop all-round awareness about the need for conservation of environment. Thus we may put a step ahead to tackle the environmental crisis. These effort would be relevant to develop psyche of many for sustenance of environment and harmonious living with nature.

The National Seminar on **'Ecocriticism: Perspective of Indian Philosophy, Culture and Literature'** would be unique platform for the deliberations and seminal presentations on Eco-critical studies of Indian Literature. It would open further avenues of research, knowledge contribution and encourage for the ethical thinking and concrete action.

Sub Themes

- Ecocriticism of Indian Philosophy
- Ecocriticism of Indian Literature (In various Language and geneses)
- Philosophy of various faiths : Pro-environmental ethics
- Ecocriticism of Cultural traditions of Indian Literature and Environment Ethics
- Literature and Environmental Sustenance
- Literature and Harmonious along with Nature.
- Environmental Awareness created by Literature for addressing the areas and challenges of environmental critics.

शोध-आलेख आमंत्रण-

शोध-आलेख मौलिक और अप्रकाशित होना चाहिए। इच्छुक प्रतिभागी शोध-सार (200-250 शब्दों में) एम.एस. वर्ड में भेज सकते हैं। शोध-सार प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि **8 मार्च, 2019**. ई-मेल का पता: ecocriticismseminar@gmail.com । शोध-आलेख 4000 शब्दों से बड़ा न हो ।

Call for papers

The organizing committee invites papers for the technical sessions based on themes outlined for the conference. The Paper should be original and should not have been published or presented previously. Interested participants must submit an abstract (Within 200-250 words) in the MS Word Format, by soft copy to the Convener not later than 8th March, 2019.

Maximum length of full paper may be up to 4000 words.

ई-मेल का पता/E-mail ID for submission of soft copy: ecocriticismseminar@gmail.com

शोध-आलेख प्रस्तुति हेतु दिशा-निर्देश

- शीर्षक
- प्रस्तुतकर्ता का पता – नाम, ई-मेल और मोबाइल नं.
- शोध-सार 200-250 शब्दों का हो, और संपूर्ण आलेख 4000 शब्दों तक सीमित हो ।
- **प्रारूप** - एम.एस. वर्ड ।
- **फांट** - मंगल (size 10)/यूनिकोड(size 12)/कृतिदेव 010 (size 14)
- पंक्तियों के बीच खाली जगह – 1.5

E-mail ID for submission of soft copy: **ecocriticismseminar@gmail.com**

Guidelines for Submission:

- Paper title,
- Author details – Name and Affiliation with E-mail and Phone.No.
- Abstract within 200-250 words, 3 to 6 keywords, full paper should not exceed 12-15 pages.
- MS Office word format – Font – Mangal/Arial Unicode Kritidev 010, Font size-10, 1.5 line spacing.

महत्वपूर्ण तिथियाँ /Important Dates-

शोध-सार प्रस्तुति के लिए अंतिम तिथि/Abstract Submission:	**08.03.2019**
शोध-सार स्वीकृति सूचना/Notification of Acceptance of Abstract:	**11.03.2019**
शोध-आलेख प्रस्तुति के लिए अंतिम तिथि Article Submission:	**16.03.2019**
पंजीकरण की अंतिम तिथि/Last Date for Registration:	**17.03.2019**

पंजीकरण शुल्क/Registration Fee-

शिक्षक/Faculty	- रु. 1200/-
शोधार्थी/Research Scholars	- रु. 800/-
विद्यार्थी/Students	- रु. 500/-

पंजीकरण के लिए लिंक/Link for Registration: http://goo.gl/forms/2Vh1neUXaavZ8ROz1

पंजीकरण शुल्क का भुगतान ऑनलाइन पर अपने नेट बैंकिंग खाते के माध्यम से या बैंक द्वारा NEFT के माध्यम से कर सकते हैं ।

Registration Fee shall be paid online through net-banking account or through Bank by NEFT.

A/c. Name: HEAD OF THE DEPARTMENT OF HINDI
S.B. A/c. No. 890769117
IFSC: IDIB000P152
India Bank, Pondicherry University Branch

यात्र एवं व्यय आवास/Travel Expenses & Accommodation:

सीमित साधनों से संगोष्ठी का आयोजन करने के कारण यात्रा-व्यय की प्रतिपूर्ति आयोजकों के द्वारा दिया जाना संभव नहीं हो पा रहा है । <u>प्रतिभागियों को स्वयं वहन करना होगा</u> । <u>प्रतिभागियों को अपने आवास की व्यवस्था भी स्वयं करनी होगी।</u> इस संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहायता की जाएगी ।

पांडिच्चेरी में सस्ते में ठहरने के लिए अच्छे अतिथि गृह कई उपलब्ध हैं। अरविंद आश्रम के प्रबंधन से संबद्ध कुछ अतिथि गृहों के संपर्क-सूत्र प्रतिभागियों की सूचना हेतु यहाँ दी जा रही है –

1. New Guest House (Ph.Nos. 0413-2221553, 2233634)
2. International Guest House (Ph.No. 0413-2336699)
3.Aurobindo Andhra Bhawan (Ph.No. 0413-2233708)
4. Karnataka Nilayam(Ph.No. 0413-2332351)
5. Oviya Nilayam (Ph.No.04132- 2233643)

इनके अलावा सरकारी युवा आवास-गृह भी उपलब्ध है - Govt. Youth Hostel (Ph.No.0413-2237495)

इनके अलावा विभिन्न श्रेणी के कई सारे होटल, रिजॉर्ट भी उपलब्ध हैं। जिनकी सूचना इंटरनेट पर प्राप्त की जा सकती है और अग्रिम बुकिंग भी ऑनलाइन पर करवा सकते हैं ।

जिन्हें अपने रुकने व्यवस्था स्वयं करने में दिक्कत है, वे आवास-सामिति के सदस्यों से मोबाइल / वाट्सैप नंबर पर संपर्क कर सकते हैं :- डॉ. साइनाथ घनशेटवार - 75984 38956, महेश सिंह - 94892 46095, भूषण पुआला - 94470138 सिराजुल हक - 7598608859 लया -7598627013

यात्रा मार्गदर्शन /Travel Guidance:

Nearest Railway station to Pondicherry University:

1. Puducherry (Distance- 14 k.m.)
2. Villupuram (Distance- 45 k.m.)
3. Chennai Central (Distance- 160 k.m.)

Bus Station:

Pondicherry Main Bus Station. (Distance- 14 k.m.)

जो चेन्नई से बस से ई.सी.आर. के रास्ते आएंगे, वे विश्वविद्यालय के सामने ही उतर सकते हैं ।

Airport-

1. Chennai(MAA) (Distance- 140 k.m.)
2. Puducherry (PY) Distance-12 k.m)

आयोजन समिति/Organizing Committee

मुख्य संरक्षक / Chief Patron

आचार्य गुरमीत सिंह / Prof. Gurmeet Singh
कुलपति, पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय / Vice Chancellor, Pondicherry University

संरक्षक / Patrons

आचार्य एस. बालकृष्णन / Prof. S. Balakrishnan
निदेशक (अ.शै.न. एवं ग्रा.पु.) / Director (SEI&RR)

आचार्य राजीव जैन / Prof. Rajiv Jain
निदेशक (सं. एवं सां.स.) / Director (C&CR)

सलाहकार एवं निदेशक / Advisor and Director

आचार्या नलिनी जे. थंपी / Prof. Nalini.J. Thampi,
आधिष्ठाता, मानविकी विद्यापीठ / Dean, School of Humanities

संगोष्ठी संयोजक / Convener of the Seminar

डॉ. सी. जय शंकर बाबु / Dr. C. Jaya Sankar Babu
सहायक आचार्य एवं विभागाध्यक्ष (प्रभारी) / Asst. Professor & Head i/c, Dept. of Hindi

सह-संयोजक / Co-Convener

डॉ. एस. पद्मप्रिया / Dr. S. Padmapriya
सह आचार्या, हिंदी विभाग / Associate Professor, Dept. of Hindi

कोषाध्यक्ष / Treasurer

श्रीमती ई.आर. संध्या / Mrs. E.R. Sandhya, सहायक / Assistant

हिंदी विभाग के अतिथि शिक्षक : डॉ. कुमारी ममता, डॉ. सितारे हिंद एवं साइनाथ घनशेटवार एवं शोधार्थी एवं छात्र, हिंदी विभाग तथा श्रीमती आरती एवं सुश्री निधि याधव, हिंदी प्रकोष्ठ

पत्राचार हेतु पता / Address for Correspondence:

डॉ. सी. जय शंकर बाबु /Dr. C. Jaya Sankar Babu
सहायक आचार्य एवं विभागाध्यक्ष (प्रभारी) / Asst. Professor & Head i/c, Dept. of Hindi
पांडिच्चेरी विश्वविद्यालय / Pondicherry University, पुदुच्चेरी / Puducherry - 605 014
दूरभाष/Ph:0413-2654776, मोबाइल एवं वाट्सैप/Mobile & WhatsApp: 9442071407
ई-मेल का पता/E-mail ID: professorbabuji2@gmail.com, ecocriticismseminar@gmail.com

संगोष्ठी में प्रतिभागिता के लिए ऑनलाइन पंजीकरण अनिवार्य है । पंजीकरण लिंक -
http://goo.gl/forms/2Vh1neUXaavZ8ROz1